unacademy

RAJASTHAN HISTORY || MEWAR || MAHARANA UDAY SINGH

Special class

Bharat Dadhich • July 16, 2023

महाराणा उदयसिंह (1537–72 ई.)

पिता - राणा सांगा
माता - कर्मावती

मावली (उदयपुर) का युद्ध (1540 ई.)

इस युद्ध में उदयसिंह ने बनवीर को हराया।

हरमाडा (अजमेर) का युद्ध – 1557 ई.

उदयसिंह v/s हाजी खाँ पठान
(अजमेर)

Maharana Uday Singh (1537-72 AD)

Father-Rana Sanga
Mother - Karmavati

Battle of Mavli (Udaipur) (1540 AD)

Uday Singh defeated Banveer in this battle.

Battle of Harmada (Ajmer) 1557 AD

Uday Singh v/s Haji Khan Pathan
(Ajmer)

मालदेव (जोधपुर) ने हाजी खाँ पठान का साथ देकर उदयसिंह को हरवाया था।

मालदेव खैरवा (पाली) के जैतसिंह झाला की राजकुमारी से विवाह करना चाहता था

परन्तु जैतसिंह ने उसका विवाह उदयसिंह से कर दिया

अतः मालदेव व उदयसिंह में विवाद था।

उदयसिंह ने उस झाली रानी के लिए कुम्भलगढ़ में महल बनवाये जो 'झाली रानी का मालिया नाम से प्रसिद्ध है।

• Maldev (Jodhpur) supported Haji Khan Pathan against Uday Singh and defeated him.

Maldev wanted to marry Jhala princess of Khairawa (Pali),

but Jait Singh married him to Uday Singh,

so there was a dispute between Maldev and Uday Singh.

Uday Singh built a palace in Kumbhalgarh for the Jhali Rani which is famous as 'Jhali Rani Ka Maliya'.

1559 में उदयपुर की स्थापना की

यहाँ सर्वप्रथम पानेडा महल बनवाये गये जहाँ कालान्तर में मेवाड़ के शासकों का राजतिलक किया जाता था।

पहले उदयसिंह आहड में नया नगर बसाना चाहता था तथा वहाँ पर मोती महल का निर्माण भी कर लिया गया था।

परन्तु बाद में एक साधु के कहने पर नये नगर उदयपुर की स्थापना की गई।

उदयसागर झील का निर्माण करवाया गया।

Udaipur was established in 1559

the first 'Paneda Mahal' was built here where the rulers of Mewar were crowned in due course of time.

First Uday Singh wanted to build a new city in Ahad and Moti Mahal was also built there.

But later on the suggestion of a monk, the new city of Udaipur was established.

Udayasagar Lake was constructed.

unacademy

1567–68 ई. में अकबर ने चित्तौड़ पर आक्रमण किया।

उदयसिंह गिर्वा की पहाड़ियों (उदयपुर) में चला गया।

चित्तौड़ किले की जिम्मेदारी जयमल पत्ता को दी गई

अकबर की संग्राम नामक बन्दूक की गोली से जयमल घायल हो गया। जयमल ने कल्ला राठौड़ के कंधों पर बैठकर युद्ध किया था।

इसलिए कल्ला राठौड को चार हाथों का देवता कहा जाता है।

Akbar invaded Chittor in 1567-68 AD.

Uday Singh went to the hills of Girwa (Udaipur).

The responsibility of the Chittor fort was given to Jaimal-Patta.

Jaimal was injured by a gunshot of Akbar named Sangram.
Jaimal fought on the shoulders of Kalla Rathore.

Hence Kalla Rathore is called, the God of Four Hands,

1568 ई. में चित्तौड़ का तीसरा साका हुआ।

फूल कंवर के नेतृत्व में जौहर किया गया।

अकबर ने 25 फरवरी 1568 को चित्तौड़ पर अधिकार कर लिया

उसने चित्तौड़ में 30,000 लोगों का कत्लेआम किया।

अकबर ने इसके बाद यहाँ सिक्का एलची प्रचलित किया।

अकबर जयमल तथा पत्ता की वीरता से प्रभावित हुआ तथा उसने जयमल तथा पत्ता की मूर्तियाँ आगरा के किले में लगवाई।

फ्रांसिसी यात्री बर्नियर ने इन मूर्तियों का वर्णन किया है। पुस्तक- Travels in the Mughal Empire

The third Saka of Chittor 1568 AD.

Jauhar was done under the leadership of Phool Kanwar.

Akbar captured Chittor on 25 February 1568.

he slaughtered 30,000 people in Chittor.

Akbar then introduced 'Sikka Elchi' here.

Akbar was impressed by the valor of Jaimal and Patta and he installed the idols of Jaimal and Patta in the Agra Fort.

The French traveler Bernier describes these sculpture in Book-

बीकानेर के जूनागढ़ किले में भी जयमल तथा पत्ता की मूर्तियाँ है ।

जयमल

यह मेड़ता का राजा था।

1562 ई. में अकबर ने मेडता पर अधिकार कर लिया था।

पत्ता चूडावत

यह आमेट (राजसमंद) का सामंत था।

आमेट मेवाड़ का प्रथम श्रेणी ठिकाना था।

फूलकंवर

जयमल की बहन तथा पत्ता की रानी।

Junagadh Fort in Bikaner also has idols of Jaimal and Patta.

Jaimal

He was the king of Merta.

- Akbar took control of Merta in 1562 AD.

Patta Chundawat

He was the feudatory of Amet (Rajsamand).
Amet was the first class thikana of Mewar.

Phool kanwar

Jaimal's sister and Patta's queen.

जयमल तथा कल्ला राठौड़ की छतरियाँ हनुमान पोल व भैरव पोल (चित्तौड़) के मध्य स्थित है तथा पत्ता की छतरी रामपोल (चित्तौड़) पर बनी हुई है।

28 फरवरी 1572 ई. को होली के दिन गोगुन्दा (उदयपुर) में उदयसिंह की मृत्यु हुई थी।

उदयसिंह की छतरी गोगुन्दा में बनाई हुई है।

उदयसिंह ने अपने बड़े बेटे प्रताप को राजा नहीं बनाया बल्कि छोटे बेटे जगमाल को राजा बनाया था।

The chhatris of Jaimal and Kalla Rathore lie between Hanuman Pol and Bhairav Pol (Chittor) and the Cenotaph of Patta is on Rampol (Chittor).

On 28 February 1572 AD, Uday Singh died in Gogunda (Udaipur) on the day of Holi.

Uday Singh's Cenotaph is made in Gogunda.

Uday Singh did not make his elder son Pratap the king, but the younger son Jagmal was made the king.

unacademy

महाराणा प्रताप (1572–97 ई.)

पिता - उदयसिंह,
माता - जयवन्ता बाई सोनगरा
(पाली के अखैराज सोनगरा की पुत्री)

जन्म - 9 मई 1540 ई.
(ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया विक्रमी संवत् 1597)

- जन्म स्थान - कुम्भलगढ़
- बचपन का नाम - कीका
- रानी - अजब दे पंवार

Maharana Pratap (1572-97 AD)

Father - Uday Singh
Mother - Jayvanta Bai Sonagara
(daughter of Akhairaj Sonagara of Pali)

Born - 9 May 1540 AD
(Jyeshtha Shukla Tritiya Vikram Samvat 1597)

Place of Birth - Kumbhalgarh

Childhood Name - Kika

Rani - Ajab De Panwar

unacademy

• प्रताप का पहला राजतिलक गोगुन्दा में हुआ सलूम्बर के सामंत कृष्णदास चूण्डावत ने राजतिलक किया था।

• प्रताप का विधिवत राजतिलक कुम्भलगढ़ में हुआ। इस राजलिक समारोह में मारवाड़ का चंद्रसेन भी आया था।

• अकबर ने प्रताप को समझाने के लिए चार दूत भेते थे।

1. जलाल खाँ कोरची - सितम्बर 1572 ई.

2. मानसिंह जून 1573 ई.

3. भगवन्तदास सितम्बर 1573 ई.

4. टोडरमल दिसम्बर 1573 ई.

Pratap's first coronation took place in Gogunda. It was done by feudal of Salumbar, Krishnadas Chundavat.

• Pratap was duly crowned in Kumbhalgarh. The 'Chandrasen' of Marwar was also present in this royal ceremony.

Akbar sent four messengers to convince Pratap to accept Akbar's subordination.

1. Jalal Khan Korchi - September 1572 A.D.

2. Mansingh-June 1573 A.D.

3. Bhagwantdas - September 1573 A.D.

4. Todarmal - December 1573 A.D.

unacademy

हल्दीघाटी (राजसमंद) का युद्ध - 18 जून 1576 ई.

प्रताप

कृष्णदास चूण्डावत (सलूम्बर)
रामशाह तोमर (ग्वालियर)

अकबर

मानसिंह (प्रथम बार स्वतंत्र सेनापति)
आसफ खाँ

हाकिम खाँ सूर (अफगान सरदार) पूजा भील भीलों का सरदार)

युद्ध से पूर्व मुगल सेना मोलेला नामक गांव में तथा मेवाड़ की सेना लोसिंग नामक गावं में रूकी थी

Battle of Haldighati (Rajsamand) - 18 June 1576 AD

Pratap

Krishnadas Chundavat (Salumber)
Ramshah Tomar (Gwalior)
Hakim Khan Sur (Afghan Sardar)
Punja Bhil (Head of Bhils)

Akbar

Mansingh
(First time Independent Commander)
Asaf Khan

Before the war, the Mughal army stopped in a village called Molela and the army of Mewar in a village called Losing.

unacademy

• चेतक के घायल होने के कारण प्रताप युद्ध भूमि से बाहर चला गया।

• झाला मान (बीदा) ने युद्ध का नेतृत्व किया तथा वीरगति को प्राप्त हुआ ।

• मिहत्तर खाँ नामक सैनिनक ने युद्ध में अकबर के आने की झूठी सूचना दी थी।

• मानसिंह प्रताप को अकबर की अधीनता स्वीकार करवाने में असफल रहा।

• अकबर ने मानसिंह तथा आसफ खाँ का दरबार में आना बन्द करवा दिया था।

• चेतक की छतरी बलीचा (राजसमंद) में बनी हुई है।

Pratap went out of the battle ground due to Chetak being injured.

• Jhala Maan (Bida) led the war and martyred.

Mihtar Khan named soldier gave false information about Akbar's arrival in the war.

• Mansingh failed to get Pratap to accept Akbar's subordination.

Akbar had stopped Mansingh and Asaf Khan to come to the court.

Chetak's Cenotaph is situated in Balicha (Rajsamand).

unacademy

• हल्दीघाटी युद्ध में प्रताप की तरफ से लूणा व रामप्रसाद नामक हाथी ने भाग लिया था

मुगलों की तरफ से मरदाना व गजमुक्ता नामक हाथी उपस्थित थे।

रामप्रसाद को मुगल सेना ने पकड़ लिया तथा अकबर ने इसका नाम बदलकर पीरप्रसाद कर दिया था।

हल्दीघाटी युद्ध के नाम - इतिहासकार

• अबुल फजल - खमनौर का युद्ध

• बदायूंनी - गोगुन्दा का युद्ध

• जेम्स टॉड - मेवाड़ की थर्मोपोली

• आदर्शी लाल श्रीवास्तव - बादशाह बाग का युद्ध

• In the Haldighati war, an elephant named Luna and Ramprasad participated on behalf of Pratap

elephants named Mardana and Gajmukta were present on behalf of the Mughals.
Ramprasad was captured by the Mughal army and Akbar changed his name to Peeraprasad.

Names of Haldighati war - Historian

Abul fazal - Battle of khamnaur
Badauni - Battle of Gogunda
James Todd - Thermopoly of Mewar
Adarshi Lal Srivastava - Battle of Badshah Bagh

बदायूंनी ने हल्दीघाटी के युद्ध में भाग लिया था।

पुस्तकः मुन्तखब-उत- तवारीख।

बदायूँनी ने लिखा है कि प्रताप का पीछा करने का न तो साहस था और न ही शक्ति।

उसी के अनुसार मुगलों को भय था कि प्रताप की सेना पहाड़ों में घात लगाये न बैठी हो ।

अतः प्रताप का पीछा करने के बजाय की ओर प्रस्थान करना श्रेयस्कर माना।

जहाँ मुगल सेना को भीलों ने बहुत अधिक परेशान किया, उनकी रसद सामग्री को वे लूट कर ले गये।

Badauni participated in the battle of Haldighati.

Book: Muntakhab-ut-Tawarikh.

Badauni has written that there was neither courage nor power to chase Pratap.

Accordingly, the Mughals feared that Pratap's army might not be ambushed in the mountains.

Therefore, instead of chasing Pratap, it is considered better to depart.

While the Mughals were heavily troubled by the Bhil army, they looted their logistics material.

unacademy

हल्दीघाटी युद्ध का महत्व:-

1. यह साम्राज्यवादी शक्ति के खिलाफ प्रादेशिक स्वतंत्रता का संघर्ष था

2. प्रताप ने कम संसाधनों के बावजूद अकबर से संघर्ष किया जिससे मेवाड़ की जनता में आशा व नैतिकता का संचार हुआ।

3. इस युद्ध ने मेवाड़ की सामान्य जनता व जनजातियों में राष्ट्रवादी भावनाओं का संचार किया।

4. यह युद्ध आज भी राष्ट्रवादियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत का कार्य करता है।

• हल्दीघाटी के युद्ध में प्रताप का पलड़ा भारी रहा। उसने मुगलों के अजेय होने का भ्रम तोड़ दिया।

Importance of Haldighati war:

1. It was a struggle for territorial independence against imperial power

2. Pratap struggled with Akbar in spite of scarce resources which brought hope and morality to the people of Mewar.
3. This war spread nationalistic feelings among the general people and tribes of Mewar.
4. This war still serves as a source of inspiration for nationalists.

Pratap's position was strong in the battle of Haldighati. He broke the illusion of the Mughals being invincible.

• 1576 ई. में अकबर ने मेवाड पर आक्रमण किया तथा उसने उदयपुर का नाम बदलकर मुहम्मदाबाद कर दिया।

कुम्भलगढ़ का युद्ध

• मुगल सेनापति शाहबाज खान ने कुम्भलगढ़ पर तीन बार आक्रमण किये थे।

(1577, 1578, 1579)

शेरपुर (उदयपुर) घटना 1580 ई.

• अमरसिंह ने अब्दुल रहीम (मुगल सेनापति) की बेगमों को गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन

प्रताप ने उन्हें ससम्मान वापस भिजवाया।

In 1576 AD, Akbar invaded Mewar and changed the name of Udaipur to Muhammadabad.

Battle of Kumbhalgarh

Mughal commander Shahbaz Khan invaded Kumbhalgarh thrice.

(1577, 1578, 1579)

Sherpur (Udaipur) Incident 1580 AD

Amar Singh arrested the Begums of Abdul Rahim (Mughal commander).

But Pratap sent them back with respect.

unacademy

दिवेर (राजसमंद) का युद्ध - 1582 ई.

मुगल सेना ने चार स्थानों पर अपने थाने स्थापित किये थे।

1. दिवेर 2. देवल 3. देबारी 4. देसूरी

* प्रताप ने मुगल सेना को हरा दिया था।

अमरसिंह ने मुगल सेनापति सुल्तान खान को मार दिया था।

जेम्स टॉड ने इस युद्ध को मेवाड़ का मैराथन कहा था।

* प्रतापगढ़, बाँसवाडा, तथा ईडर रियासतों ने प्रताप का साथ दिया था।

Battle of Diwar (Rajsamand) - 1582 AD

The Mughal army established its stations at four places.
1. Dewar 2. Deval 3. Debari 4. Desuri

Pratap had defeated the Mughal army.

Amarsingh killed the Mughal commander Sultan Khan.

James Todd called this war a marathon of Mewar.

Pratapgarh, Banswara, and Eider princely states supported Pratap.

unacademy

• 1585 ई. में जगन्नाथ कछवाहा ने मेवाड़ पर आक्रमण किया।

यह अकबर की तरफ से मेवाड़ पर अंतिम आक्रमण था।

• प्रताप ने आमेर रियासत का मालपुरा (टोंक) छीन लिया था।

• प्रताप ने मालपुरा में झालरा तालाब' तथा ' नीलकण्ठ महादेव मंदिर का निर्माण करवाया।

• प्रताप ने चावण्ड (उदयपुर) को अपनी राजधानी बनाया। चावण्ड 28 वर्षों तक मेवाड़ की राजधानी रहा था।

1585 AD In Jagannath Kachwaha attacked Mewar.

This was Akbar's last invasion of Mewar.

Pratap had taken away the Malpura (Tonk) of the princely state of Amer.

Pratap got the Jhalra Talab' and 'Neelkanth Mahadev' temple constructed in Malpura.

Pratap made Chavand (Udaipur) his capital. Chawand was the capital of Mewar for 28 years.

प्रताप ने चावंड में चामुंडा माता का मंदिर तथा महलों का निर्माण करवाया था।

• चावड से मेवाड़ की स्वतंत्र चित्रकला का स्वतंत्र विकास प्रारम्भ हुआ।

मुख्य चित्रकार-नासिरूद्दीन

• 19 जनवरी 1597 ई. को चावंड में प्रताप की मृत्यु हुई।

चित्तौड़गढ़ तथा माण्डलगढ़ को छोड़कर प्रताप ने सम्पूर्ण मेवाड़ पर पुनः अधिकार कर लिया।

• प्रताप की छतरी बांडोली (उदयपुर)
(8 खभे)

Pratap built the temple and palaces of Chamunda Mata in Chawand.

• The independent development of independent painting of Mewar started from Chawand.

Chief Painter - Nasiruddin

Pratap died on 19 January 1597 in Chavand.

Except Chittorgarh and Mandalgarh, Pratap again took control over the whole of Mewar.

Pratap's Cenotaph –Bandoli(Udaipur)
(8 pillars)

unacademy

दरबारी विद्वान

1. चक्रपाणि मिश्र

पुस्तक

1. राज्याभिषेक (राजतिलक की शास्त्रीय पद्धति)
2. मुहुर्तमाला (ज्योतिष शास्त्र)
3. विश्व वल्लभ (उद्यान विज्ञान की जानकारी)

2. हेमरत्न सूरि - गौरा बादल री चौपाई

3. सादुलनाथ त्रिवेदी प्रताप ने इन्हें मंडेर नामक जागीर दी थी।

यह जानकारी 1588-ई. उदयपुर अभिलेख से मिलती है।

Court Scholar

1. Chakrapani Mishra -

Book:

1. Rajya Abhishek (Classical method of coronation)
2. Muhurtamala (astrology)
3. Vishav Vallabh (Knowledge of Horticulture)

2. Hemratna Suri - Gaura Badal Ri Chapai

3. Sadulnath Trivedi- Pratap had given him a jagir called Mandher.

This information is received from the Udaipur inscription of 1588 AD.

unacademy

4. भामाशाह - इन्होंने 'चूलिया नामक गाँव में प्रताप से अपने भाई ताराचन्द के साथ मुलाकात की

प्रताप को 25 लाख रूपये नकद तथा 20 हजार स्वर्ण अशर्फिया भेंट की

जिससे प्रताप 25 हजार की सेना को 12 वर्ष तक रख सकते थे।

प्रताप ने भामाशाह को प्रधानमंत्री बनाया था भामाशाह को मेवाड का उद्धारक कहा जाता है।

5. माला सांदू

6. रामा सांदू

4. Bhamashah- He met Pratap with his brother Tarachand in a village called 'Chuliya'

presented Rs. 25 lakh in cash and 20 thousand gold Asharfiya to Pratap

so that Pratap could keep his army of 25 thousand for 12 years.

Pratap made Bhamashah the Prime Minister.
Bhamashah is called the savior of Mewar.

5. Mala Sandu

6. Rama Sandu

unacademy

अकबर ने महाराणा प्रताप को समझाने के लिये किसे प्रथम संदेशवाहक के रूप में भेजा?

(आर्थिक अन्वेषक परीक्षा, 2018),
(हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) परीक्षा, 2018)

(1) मानसिंह

(2) भारमल

(3) कमाल खाँ

(4) जलाल खाँ कोरची

Whom did Akbar send as the first messenger to convince Maharana Pratap?

(1) Mansingh

(2) Bharmal

(3) Kamal Khan

(4) Jalal Khan Korchi

unacademy

4. निम्नलिखित में से मेवाड़ के किस शासक को शिशु अवस्था में पन्नाधाय ने अपने पुत्र का बलिदान देकर बचाया? (Junior Scientific Assistance (Ballistic), 2019)

(1) महाराणा प्रताप

(2) राणा कुम्भा

(3) महाराणा उदयसिंह

(4) महाराणा मोकल

4. Which of the following ruler of Mewar was saved by Pannadhaya in his infant age by sacrificing his son? (Junior Scientific Assistant (Ballistic), 2019)

(1) Maharana Pratap

(2) Rana Kumbha

(3) Maharana Udai Singh

(4) Maharana Mokal

unacademy

हल्दीघाटी के युद्ध से पूर्व महाराणा प्रताप से समझौता करने के लिए अकबर ने निम्नलिखित में से किसे भेजा? (वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (टॉक्सिकोलॉजी) परीक्षा, 2019)

(1) सैयद हाशिम (2) अमीर जलाल खान

(3) शाहबाज खान (4) गाजी खान

Who among the following was sent by Akbar to negotiate with Maharana Pratap before the Battle of Haldighati?

(Senior Scientific Assistant (Toxicology) Examination, 2019)

(1) Syed Hashim (2) Amir Jalal Khan

(3) Shahbaz Khan (4) Ghazi Khan

unacademy

खानवा के युद्ध में बाबर के विरुद्ध राणा सांगा के पक्ष में कौन नहीं लड़ रहा था?

(वरिष्ठ अध्यापक (विशेष शिक्षा), 2018)

(1) सूर्यमल

(2) रायमल

(3) पृथ्वीराज

(4) कल्याणमल

Who was not fighting on the side of Rana Sanga against Babur in the Battle of Khanwa?

(Senior Teacher (Special Education), 2018)

(1) Suryamal

(2) Raimal

(3) Prithviraj

(4) Kalyanmal

unacademy

राजस्थान के गुहिल राजवंश की कितनी शाखाएँ थीं?

(संरक्षण अधिकारी, 2018 (महिला अधिकारिता)2018

(1) 15

(2) 24

(3) 10

(4) 32

How many branches were there in Guhil dynasty of Rajasthan?

(Protection Officer, 2018

(Women Empowerment) 2018

(1) 15

(2) 24

(3) 10

(4) 32

unacademy

जेम्स टाड ने निम्न में से किस युद्ध को मेवाड़ के इतिहास का मैराथन' कहा है?

(कनिष्ठ अनुदेशक (वेल्डर) परीक्षा-2018)

(1) हल्दीघाटी का युद्ध

(2) कुम्भलगढ़ का युद्ध

(3) दिवेर का युद्ध

(4) गोगुन्दा का बुद्ध

Which of the following battles has been described by James Tad as the 'marathon of the history of Mewar'?

(Junior Instructor (Welder) Exam-2018)

(1) Battle of Haldighati

(2) Battle of Kumbhalgarh

(3) Battle of Divar

(4) Buddha of Gogunda

unacademy

राजस्थान के कौन से ताम्रपत्र से रानी कर्मवती द्वारा जौहर के प्रमाण मिलते हैं?
(आर्थिक अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा-2018)

(1) आहड ताम्रपत्र
(2) खेरोदा ताम्रपत्र
(3) पुर ताम्रपत्र
(4) चीकली ताम्रपत्र

Which copper plate of Rajasthan gives the evidence of Jauhar by Rani Karmavati? (Economic Investigator Direct Recruitment Exam-2018)

(1) Ahad copper plate
(2) Kheroda copper plate
(3) Pur copper plate
(4) Chikli copper plate

unacademy

राजस्थान के कौनसे शासक को विद्वानों ने 'हिन्दुपत' कहा है?

(कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) परीक्षा-2018)

(1) कुम्भा

(2) राणा सांगा

(3) नागभट्ट II

(4) अर्णोराज

Which ruler of Rajasthan has been called 'Hindupat' by the scholars?

(Junior Instructor (Fitter) Exam-2018)

(1) Kumbha

(2) Rana Sanga

(3) Nagabhatta II

(4) Arnoraja

unacademy

हल्दीघाटी के युद्ध के पश्चात् महाराणा प्रताप ने मुगलों के विरुद्ध कहाँ से प्रतिरोध जारी रखा?

(कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) परीक्षा-2018)

(1) कुम्भलगढ़

(2) चावण्ड

(3) देवगढ़

(4) गोगुन्दा

From where did Maharana Pratap continue his resistance against the Mughals after the Battle of Haldighati?

(Junior Instructor (Fitter) Exam-2018)

(1) Kumbhalgarh

(2) Chavand

(3) Deogarh

(4) Gogunda

unacademy

राणा सांगा के उस सहयोगी का नाम बताइये जिसने खानवा युद्ध के नाजुक पड़ाव पर अपना समर्थन वापस ले लिया?

(कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) परीक्षा-2018)

(1) सलहदी तंबर
(2) मेदनी राय
(3) राव गंगा
(4) उदय सिंह

Name the ally of Rana Sanga who withdrew his support at the critical juncture of Khanwa war?

(Junior Instructor (Fitter) Exam-2018)

(1) Salhadi Tambar
(2) Medni Rai
(3) Rao Ganga
(4) Uday Singh

unacademy

राणा सांगा और बाबर के मध्य खानवा का युद्ध कब लड़ा गया?

(सहायक कृषि अधिकारी, 2018)

(1) 13 मार्च, 1527

(2) 17 मार्च, 1527

(3) 16 फरवरी, 1527

(4) 18 फरवरी, 1527

When was the battle of Khanwa fought between Rana Sanga and Babur?

(Assistant Agriculture Officer, 2018)

(1) March 13, 1527

(2) March 17, 1527

(3) February 16, 1527

(4) February 18, 1527

unacademy

1582 ई. में महाराणा प्रताप की दिवेर-विजय के समय वहाँ के अधिकारी थे?

(सहायक कृषि अधिकारी, 2018)

(1) सुल्तान खान गोरी

(2) अब्दुर्रहीम खानखाना

(3) अब्दुल्ला खान

(4) शाहबाज खान

At the time of Maharana Pratap's Divar-Vijay in 1582 AD, who was the officer there?

(Assistant Agriculture Officer, 2018)

(1) Sultan Khan Ghori

(2) Abdurrahim Khankhana

(3) Abdullah Khan

(4) Shahbaz Khan

unacademy

हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की भील सेना कमाण्डर था ?

(IInd Grade GK, 2018)

(1) राणा पूँजा भील

(2) लूंगा चावण्ड्या

(3) जीवाशाह

(4) तारा भील

Who was the Bhil army commander of Maharana Pratap in the Battle of Haldighati?

(IInd Grade GK, 2018)

(1) Rana Poonja Bhil

(2) Lunga Chavandya

(3) Jeevashah

(4) Tara Bhil

1303 में चित्तौड़ विजय के बाद अलाउद्दीन ने चित्तौड़ का रखा?

(1) नसीराबाद

(2) मोमिनाबाद

(3) होशंगाबाद

(4) खिजाबाद

After the conquest of Chittor in 1303, Alauddin kept Chittor?

(1) Nasirabad

(2) Mominabad

(3) Hoshangabad

(4) Khizabad

'वीर विनोद' के अनुसार हल्दीघाटी युद्ध में मुगल सेना की संख्या कितनी थी? (उद्योग निरीक्षक सीधी भर्ती परीक्षा-2018)

(1) 80,000 (2) 10,000

(3) 40,000 (4) 16,000

According to 'Veer Vinod', what was the strength of the Mughal army in the Haldighati war?
(Industry Inspector Direct Recruitment Exam-2018)

(1) 80,000 (2) 10,000

(3) 40,000 (4) 16,000

किस राजपूत सरदार ने खानवा के युद्ध में राणा सांगा के घायल हो जाने के बाद उनका राज-चिह्न धारण करके युद्ध जारी रखा था?

(IInd Grade GK, 2018)

(1) जयमल

(2) झाला अज्जा

(3) राम सहाय तँवर

(4) दुर्गादास

Which Rajput chieftain continued the war by adopting the coat of arms of Rana Sanga after he was wounded in the Battle of Khanwa?

(IInd Grade GK, 2018)

(1) Jaimal

(2) Jhala Ajja

(3) Ram Sahai Tanwar

(4) Durgadas

निम्नलिखित में से कौन से राजपूत सरदार हल्दीघाटी के युद्ध में राणा प्रताप के पक्ष में लड़े थे?
(IInd Grade GK, 2016)

(i) रामसिंह तँवर (राम साहा)
(ii) बीदा झाला

(ii) रावत कृष्णदास चुण्डावत
(iv) अशोक परमार

Which of the following Rajput chieftains fought on the side of Rana Pratap in the Battle of Haldighati?
(IInd Grade GK, 2016)

(i) Ram Singh Tanwar (Ram Saha)
(ii) Bida Jhala

(ii) Rawat Krishnadas Chundawat
(iv) Ashok Parmar

unacademy

नीचे दिये गये कूटों के आधार पर सही उत्तर का चयन कीजिए-

Select the correct answer using the codes given below-

(1) i एवं iii

(2) ii एवं iv

(3) i, ii, iii एवं iv

(4) i, ii एवं iii

unacademy

अकबर ने दिसम्बर, 1573 में प्रताप को समझाने के लिए किसे भेजा था, ताकि वह शांतिपूर्वक अधीनता स्वीकार कर सके?
(लवण निरीक्षक (उद्योग विभाग) परीक्षा, 2018), (Ist Grade 2018 (03-01-2020)

(1) जलाल खान
(2) मान सिंह
(3) भगवंत दास
(4) टोडरमल

Whom did Akbar send in December, 1573 to persuade Pratap to accept submission peacefully?
(Salt Inspector (Industry Department) Exam, 2018), (Ist Grade 2018 (03-01-2020)

(1) Jalal Khan
(2) Man Singh
(3) Bhagwant Das
(4) Todermal

महाराणा प्रताप ने चावण्ड को अपनी राजधानी बनाया, जो मेवाड़ की राजधानी रहा-

(IInd Grade GK, 2016)

(1) 1597 तक

(2) 1605 तक

(3) 1609 तक

(4) 1615 तक

Maharana Pratap made Chavand his capital, which remained the capital of Mewar.

(IInd Grade GK, 2016)

(1) up to 1597

(2) up to 1605

(3) up to 1609

(4) up to 1615

unacademy

हल्दीघाटी के युद्ध के पश्चात् महाराणा प्रताप ने निम्नलिखित स्थानों में से कहाँ अपनी राजधानी स्थापित की?

[बीएसटीसी प्रवेश परीक्षा, 2016]

(1) दिवेर

(2) खमनौर

(3) चावण्ड

(4) कुम्भलगढ़

At which of the following places Maharana Pratap established his capital after the Battle of Haldighati?

[BSTC Entrance Exam, 2016]

(1) Divar

(2) Khamnore

(3) Chavand

(4) Kumbhalgarh

संगीत ज्ञान के कारण कुम्भा को उपाधि प्राप्त हुई

(Agriculture Officerपरीक्षा,2013)

(1) अभिनव भरताचार्य

(2) संगीतराज

(3) दानगुरु

(4) हालगुरु

Kumbha got the title due to musical knowledge

(Agriculture Officer Exam, 2013)

(1) Abhinav Bharatacharya

(2) Sangeetraj

(3) Danguru

(4) Halguru

unacademy

कुम्भा द्वारा निर्मित कीर्ति स्तम्भ कितनी मंजिलों का है?

(Agriculture Officer परीक्षा, 2013)

(1) सात (2) आठ

(3) नौ (4) दस

Kirti Stambh built by Kumbha has how many storeys?

(Agriculture Officer Exam, 2013)

(1) seven (2) eight

(3) nine (4) ten

निम्नलिखित युद्ध राजस्थान इतिहास में सीमा चिन्ह है?

[RAS परीक्षा, 2013]

(i) खानवा का युद्ध

(ii) भटनेर का युद्ध

(iii) सुमेल - गिरी का युद्ध

(iv) हल्दी घाटी का युद्ध

Which of the following war is a landmark in Rajasthan history?

[RAS Exam, 2013]

(i) Battle of Khanwa

(ii) Battle of Bhatner

(iii) Battle of Sumel-Giri

(iv) Battle of Haldi Ghati

unacademy

उपर्युक्त युद्धों का सही क्रम है?

Is the sequence of the above mentioned battles correct?

(1) **(ii), (i), (iii), (iv)**

(2) **(i), (ii), (iii), (iv)**

(3) **(i), (iii), (iv), (ii)**

(4) **(i), (ii), (iv), (iii)**

unacademy

हल्दी घाटी के युद्ध में मुगलों और महाराणा के सैनिकों के साथ-साथ दोनों पक्षों के जिन हाथियों ने बहुत वीरता दिखाई थी, उनके नाम थे?

[II ग्रेड व्याख्याता परीक्षा, 2010]

(1) चेतक, गजाला, नीला, गजसिंह

(2) लूणा, रामप्रसाद, गजमुक्त, गजराज

(3) सोम, समीर, अक्षयराज, दीन

(4) शक्ति, रामप्रताप, सुमेरू, सोनू

What were the names of the elephants of both the sides who showed great valor along with the soldiers of the Mughals and the Maharana in the Battle of Haldi Ghati [II Grade Lecturer Exam, 2010]

(1) Chetak, Gajala, Neela, Gajsingh

(2) Luna, Ramprasad, Gajmukt, Gajraj

(3) Som, Sameer, Akshayraj, Deen

(4) Shakti, Rampratap, Sumeru, Sonu

महाराणा प्रताप का राज्याभिषेक हुआ था?

[Grade GK परीक्षा, 2011]

(1) चित्तौड़गढ़ में

(2) निम्बाहेड़ा में

(3) गोगुन्दा में

(4) बड़ी सादड़ी में

Where was the coronation of Maharana Pratap?

[Grade GK Exam, 2011]

(1) In Chittorgarh

(2) In Nimbahera

(3) Gogunda

(4) Badi Saadi

महाराणा कुम्भा के विषय में निम्न में से कौनसा कथन असत्य है?

[Grade GK परीक्षा, 2011]

(1) वह स्वयं विद्वान नहीं था पर विद्वानों को आश्रय देता था।
(2) वह कुम्भलगढ़ दुर्ग का निर्माता था।
(3) वह संगीत प्रेमी था ।
(4) वह मेवाड़ के महान् शासकों में से एक था।

Which of the following statements about Maharana Kumbha is incorrect?

[Grade GK Exam, 2011]

(1) He was not a scholar himself but used to give shelter to scholars.
(2) He was the builder of the Kumbhalgarh fort.
(3) He was a lover of music.
(4) He was one of the great rulers of Mewar.

unacademy

खातौली का युद्ध किस-किस के मध्य हुआ?

[पटवारी परीक्षा, 2011]

(1) अकबर एवं महाराणा प्रताप

(2) इब्राहिम लोदी एवं राणा संग्राम सिंह

(3) इब्राहिम लोदी एवं बाबर

(4) औरंगजेब एवं दाराशिकोह

Between whom did the Battle of Khatauli take place?

[Patwari Exam, 2011]

(1) Akbar and Maharana Pratap

(2) Ibrahim Lodi and Rana Sangram Singh

(3) Ibrahim Lodi and Babur

(4) Aurangzeb and Darashikoh

unacademy

किस शासक ने चन्देरी के युद्ध को 'जेहाद' घोषित किया और युद्धोपरान्त राजपूतों के सिरों की मीनार बनवायी? [पटवारी परीक्षा, 2011]

(1) बाबर

(2) औरंगजेब

(3) बलबन

(4) जहांगीर

Which ruler declared the battle of Chanderi as 'Jihad' and after the war got the heads of the Rajputs built?

[Patwari Exam, 2011]

(1) Babur

(2) Aurangzeb

(3) Balban

(4) Jahangir

'हरमाड़ा' का युद्ध हुआ?

[पटवारी परीक्षा, 2011]

(1) शेरशाह एवं हुमायूँ के मध्य ।

(2) शेरशाह एवं उदयसिंह के मध्य ।

(3) शेरशाह के सेनानायक हाजी खाँ और उदयसिंह के मध्य ।

(4) मालदेव एवं मिर्जा हैदर के मध्य

Did the war of 'Harmada' take place?[Patwari Exam, 2011]

(1) Between Sher Shah and Humayun.
(2) Between Sher Shah and Uday Singh.
(3) Between Sher Shah's general Haji Khan and UdaySingh.
(4) Between Maldev and Mirza Haider

महाराणा प्रताप के समय अकबर ने शाहबाज खाँ को कितनी बार मेवाड़ पर आक्रमण के लिए भेजा? [I ग्रेड व्याख्याता परीक्षा, 2014]

(1) 2 (2) 3

(3) 4 (4) 1

At the time of Maharana Pratap, how many times did Akbar send Shahbaz Khan to attack Mewar?

[I Grade Lecturer Exam, 2014]

(1) 2 (2) 3

(3) 4 (4) 1